आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–11 जनवरी 2025 सान्ध्य समाचार

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ आज धूमधाम से मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह मंदिर सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष के बाद बना है।

इस बीच, अयोध्या जिले में आज से तीन दिवसीय प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव शुरू हो गया। इस अवसर पर श्रीराम मंदिर को पचास क्विंटल से ज्यादा फूलों से सजाया है। रामलला का पंचामृत और सरयू जल से अभिषेक किया गया और छप्पन पकवानों का प्रसाद चढ़ाने के साथ ही महाआरती भी की गई। एक रिपोर्ट–

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन दिवसीय प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव का शुभारंभ किया। प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव के दौरान तीनों दिन 6 लाख श्री राम बीज मंत्र का जाप कर 21 वैदिक आचार्य माहौल को धार्मिकता से सराबोर करेंगे, साथ ही रोज शाम 6 बजे से 9 बजे तक भगवान रामलला का बधाई गान होगा। इसके अलावा अंगद टीले पर रोजाना राम कथा प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जिनमें आम लोग शामिल हो सकेंगे। प्रथम वर्षगांठ के कार्यक्रम को देखते हुए तीनों दिन दर्शन के लिए किसी भी तरह के पास नहीं बनाए जाएंगे, साथ अधिक से अधिक लोग रामलला के दर्शन कर सकें इसके लिए दूरदर्शन पर लाइव प्रसारण किया जा रहा है। ओम अवस्थी आकाशवाणी समाचार लखनऊ

मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर में पूजा अर्चना के साथ ही हनुमान गढ़ी जाकर संकटमोचन हनुमान जी का दर्शन पूजन किया और लोक कल्याण की कामना की।

हमारे अयोध्या प्रतिनिधि ने बताया कि श्रीरामलला का अभिषेक निर्धारित समय पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, अन्य प्रमुख संतों और ट्रस्ट के सदस्यों की मौजूदगी में हुआ।

प्रतिष्ठा द्वादशी कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतों, श्रद्धालुओं और अन्य प्रतिष्ठित लोगों को संबोधित किया।

स्वाभाविक रूप से पांच सौ वर्षों का इतिहास और इंतजार जिनकी दूरदर्शिता से सम्पन्न होकर के आज इस गौरव की अनुभूति हम सबको हर रामभक्त को करा रही है ऐसे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति सबसे पहले कृतज्ञता अर्पित करते हुए हम सब हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

प्रदेश के अन्य जिलों में भी आज विविध आयोजन किये जा रहे हैं। इस मौके पर वाराणसी में नमामि गंगे ने काशी के प्राचीन विष्णु तीर्थ आदि केशव की आरती उतार कर समृद्धशाली विकसित भारत का आशीर्वाद मांगा।

****

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कल नई दिल्ली में मुलाकात की। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रधानमंत्री से मुलाकात की फोटो साझा करते हुए श्री योगी ने कहा है कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और प्रेरणा से सनातन गर्व का प्रतीक महाकुंभ दो हजार पच्चीस अपने दिव्य, भव्य और डिजिटल स्वरूप से दुनिया को नए भारत का दर्शन करा रहा है।

****

तेरह जनवरी से शुरू हो रहे महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महाकुम्भनगर के मेला क्षेत्र में पांच अस्थायी डाकघर खोले गए हैं। इन पर परम्परागत सेवा के साथ साथ एप के माध्यम से एक कॉल पर मेले में आए श्रद्धालुओं को नकदी भी उपलब्ध कराई जाएगी। महाकुम्भ के आयोजन के दौरान साइबर खतरे से निपटने के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। एक रिपोर्ट–

महाकुंभ में साइबर पेट्रोलिंग के लिए 56 समर्पित साइबर विशेषज्ञ तैनात किए गए हैं। धोखाधड़ी वाली वेबसाइट, फर्जी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और फर्जी मोबाइल लिंक जैसे साइबर खतरों के चुनौतियों से निपटने के लिए महाकुंभ साइबर पुलिस स्टेशन की स्थापना की गई है। साइबर खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मेला क्षेत्र में 40 विभिन्न प्रकार के सूचना संदेश पर डिस्पले लगाए जा रहे हैं। वहीं एक समर्पित हेल्प लाइन नम्बर 1920 भी जारी किया गया है। अनुपम मिश्रा के साथ, आनंद कुमार आकाशवाणी समाचार, प्रयागराज।

राष्ट्रीय गंगा स्वच्छता मिशन के तहत एक सौ बावन दशमलव तीन सात करोड़ रुपये की लागत से महाकुम्भनगर में स्वच्छता प्रबंधन के विशेष उपाय लागू किये जा रहे हैं। उधर, रेलवे सुरक्षा बल के पूर्व मध्य जोन के मुख्य सुरक्षा आयुक्त एस लुई अमूथन ने कल चंदौली जिले के दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन का देर शाम निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा की समीक्षा की।

****

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज मेरठ के आईआईएमटी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पदक और उपाधियां देने के बाद उन्होंने वर्ष दो हजार सैंतालिस तक के विकसित भारत के संकल्प को याद दिलाया। रक्षा मंत्री ने कहा कि युवाओं की नई सोच और काम देश को दुनिया में नई पहचान दिलाएंगे।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल गोरखपुर महोत्सव के समापन समारोह में हिस्सा लेंगे। इस मौके पर वह विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पांच विभूतियों को सम्मानित करेंगे।

****